हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि. प्र. द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि. प्र. द्वारा **क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ, नूरपुर, जिला कांगड़ा, हि. प्र.** के साथ से एक दिन की **किसान गोष्ठी** का आयोजन **07-12-2018** को क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ, नूरपुर, कांगड़ा, हि. प्र.में किया गया।

इस किसान गोष्ठी का उदघाटन **श्री राकेश पठानिया, माननीय विधायक,** विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र नूरपुर द्वारा किया गया। **डॉ. हरि चंद शर्मा, उप कुलपति,** डॉ. वाई. एस. परमार औद्योनिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन, हि. प्र. ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस किसान गोष्ठी में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा क्षेत्र से औषधीय पेड़-पौधों के खेती में रुचि रखने वाले **157 किसानों** ने भाग लिया। इस किसान गोष्ठी में वन विभाग, बागवानी विभाग, कृषि विभाग तथा कांगड़ा क्षेत्र के विभिन्न किसानों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगायीं।

कार्यक्रम के प्रारंभ में **सयुंक्त निदेशक (अनुसंधान एवं विस्तार),** क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, जाच्छ ने मुख्य अतिथि श्री राकेश पठानिया, माननीय विधायक, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र नूरपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. हरि चंद शर्मा, उप कुलपति, डॉ. वाई. एस. परमार औद्योनिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन, हि. प्र. तथा कांगड़ा क्षेत्र के किसानों का इस किसान गोष्ठी में पधारने पर हार्दिक अभिनंदन किया। उन्होंने हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला का इस किसान गोष्ठी के आयोजन करने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि इस किसान गोष्ठी का आयोजन हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला तथा क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ, नूरपुर, जिला कांगड़ा, हि. प्र. के सामूहिक प्रयास द्वारा किया गया है। उन्होंने क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में चल रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में भी अवगत करवाया।

श्री सत्य प्रकाश नेगी, अरण्यपाल एवं प्रभाग प्रमुख, विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्य अतिथि श्री राकेश पठानिया, माननीय विधायक, नूरपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. हरि चंद शर्मा, उप कुलपति, डॉ. वाई. एस. परमार औद्योनिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन, हि. प्र. का इस किसान गोष्ठी में पधारने पर स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया । साथ ही उन्होंने किसान गोष्ठी में भाग लेने के लिए कांगड़ा क्षेत्र के किसानों एवं किसान गोष्ठी में अपना योगदान देने के लिए

आए हुए वन विभाग, बागवानी विभाग तथा कृषि विभाग के अधिकारियों का भी हार्दिक अभिनंदन किया । उन्होंने हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान पश्चिमी हिमालयी राज्यों - हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में वानिकी एवं *वानिकी अनुसंधान* तथा पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है । साथ ही उन्होंने सभी को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी संक्षिप्त रूप से अवगत करवाया ।

डॉ. हरि चंद शर्मा, उप कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला एवं डॉ. वाई. एस. परमार औद्योनिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन, हि. प्र. के मध्य एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया है जिससे कि वानिकी के क्षेत्र में किए गए शोध कार्यों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने जल संरक्षण तथा जल के सदुपयोग के महत्व बारे में किसानों को जागरूक किया ।

श्री राकेश पठानिया, माननीय विधायक ने अपने उदघाटन भाषण में कहा कि इस किसान गोष्ठी से नूरपुर क्षेत्र के किसानों को वनों तथा औषधीय पौधों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलेगी जिससे कि भविष्य में वे अपनी आजीविका कमाने का स्त्रोत भी बना सकते हैं । उन्होंने हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला का इस किसान गोष्ठी के आयोजन करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में ज्यादा से ज्यादा इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आग्रह किया ।

उदघाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने किसानों के साथ अपने-2 विचार सांझा किए।

श्री जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला, हि. प्र. ने औषधीय पौधों की अंतर्वर्तीय खेती के बारे में किसानों को जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि वे कैसे औषधीय पौधों की अंतर्वर्तीय खेती से अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि हल्दी, अदरक आदि के साथ इस क्षेत्र में कृषि वानिकी के भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं। वे पोपलर, शहतूत आदि के पेड़ों को खेत की मेढ़ों पर लगाकर कृषि-वानिकी अपनाकर एक ही समय में औषधीय पौधे तथा लकड़ी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

डॉ. विपिन गुलेरिया, प्रधान वैज्ञानिक, क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ, नूरपुर, जिला कांगड़ा, हि. प्र. ने हिमाचल प्रदेश के निचले भागों में पाए जाने वाले औषधीय पौधों के बारे में किसानों को जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि वे औषधीय पौधों की वैज्ञानिक तरीकों से उगाकर अपनी थोड़ी से जमीन से भी अधिक से अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कृषि-वानिकी के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने हरड़, बेहड़ा, नीम, लसुड़ा, चंदन, लेमन घास आदि के बारे में बड़े विस्तार से किसानों को जानकारी दी तथा अपने विचार सांझा किए।

डॉ. वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक-डी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने औषधीय जड़ी-बूटियों के पारंपरिक ज्ञान तथा उनकी पहचान के बारे में किसानों को जानकारी दी। उन्होंने औषधीय जड़ी-बूटियों की पहचान करने के बारे में विस्तृत जानकारी किसानों को प्रदान की। अपने सम्बोधन में उन्होंने बताया कि समय के साथ साथ औषधीय जड़ी-बूटियों के पारंपरिक ज्ञान में कमी आयी है। उन्होंने कक्करसिंघी, बणा, शतावर, बच, बसूटी, तुलसी आदि के बारे में बड़े विस्तार से किसानों को जानकारी दी तथा अपने विचार सांझा किए। साथ ही उन्होंने औषधीय जड़ी-बूटियों के व्यावसायिक कृषिकरण के बारे में भी किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कर्नल प्रकाश चंद राणा (रिटायर्ड), प्रगतिशील किसान ने औषधीय पौधों के बारे में किसानों को जानकारी दी । उन्होंने रीठा, गिलोय, कड़ी पत्ता, हल्दी आदि के बारे में विस्तृत जानकारियाँ किसानों से सांझा की । उन्होंने बताया कि भारत में हल्दी की 35 किस्में पायी जाती हैं जिसमें से कांगड़ा में पायी जाने वाली हल्दी में अत्यधिक औषधीय गुण होते हैं । उन्होंने हल्दी की खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया । साथ ही उन्होंने बताया कि किसान उनसे हल्दी के उन्नत किस्म के बीज प्राप्त कर सकते हैं तथा अपने खेतों में लगाकर इससे अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं । उन्होंने औषधीय जड़ी-बूटियों को उगाने एवं जैविक खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया ।

श्री पुन्नु राम चौहान (प्रगतिशील किसान) ने जड़ी-बूटियों से उत्पादों को बनाने संबधित जानकारी किसानों को दी । उन्होंने लेमन घास से सुगंधित तेल निकालने की विधि तथा सुखाकर अन्य उत्पाद तैयार कर अपनी आय बढ़ाने संबधित विचार सांझा किए । इसके अतिरिक्त उन्होंने मेहंदी, पुदीना, तुलसी, गिलोय, कड़ी पत्ता आदि के उत्पादों पर भी विस्तृत जानकारियाँ किसानों से सांझा की ।

तकनीकी सत्र के बाद किसानों तथा मुख्य वक्ताओं के बीच वानिकी से संबधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत में चर्चा की गयी जिसमें किसानों की वानिकी से समबधित बहुत सी समस्याओं के समाधान करने के तरीके बताए गए ।

कार्यक्रम के अंत में, श्री अश्वनी कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, विस्तार प्रभाग, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्य अतिथि श्री राकेश पठानिया, माननीय विधायक, नूरपुर, विशिष्ट अतिथि डॉ. हरि चंद शर्मा, उप कुलपति, डॉ. वाई. एस. परमार औद्योनिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन, हि. प्र. का इस किसान गोष्ठी में पधारने पर हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया । उन्होंने डॉ. एम.एल. भारद्वाज, सयुंक्त निदेशक (अनुसंधान एवं विस्तार), क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ, तहसील - नूरपुर, जिला – कांगड़ा, हि. प्र. तथा उनकी टीम का भी इस किसान गोष्ठी के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया । उन्होंने किसान गोष्ठी में उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए किसानों का तथा कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं को किसानों को महत्वपूर्ण जानकारियां देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया । साथ ही उन्होंने इस किसान गोष्ठी में अपना योगदान देने के लिए आए हुए वन विभाग, बागवानी विभाग, कृषि विभाग तथा अन्य सभी का इस किसान गोष्ठी में पधारने तथा प्रदर्शनियां लगाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया । अंत में उन्होंने मीडिया से आए हुए प्रतिनिधियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया ।

किसान गोष्ठी की कुछ झलकियाँ

आयोजक :

7 दिसम्बर, 201
आयोजक :

हिमालयन वन

क्षेत्रीय बागवानी अनुसन्धान

किसान गोष्ठी
7 दिसम्बर, 2018
आयोजक :
क्षेत्रीय बागवानी अनुसन्धान एवम् प्रशिक्षण केन्द्र, जाछ (नूरपुर) जिला कांगड़ा - 176201
एवम्
हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला

LAB-CUM-OFFICE

मीडिया कवरेज़

विधायक राकेश पठानिया ने निहारी प्रदर्शनी

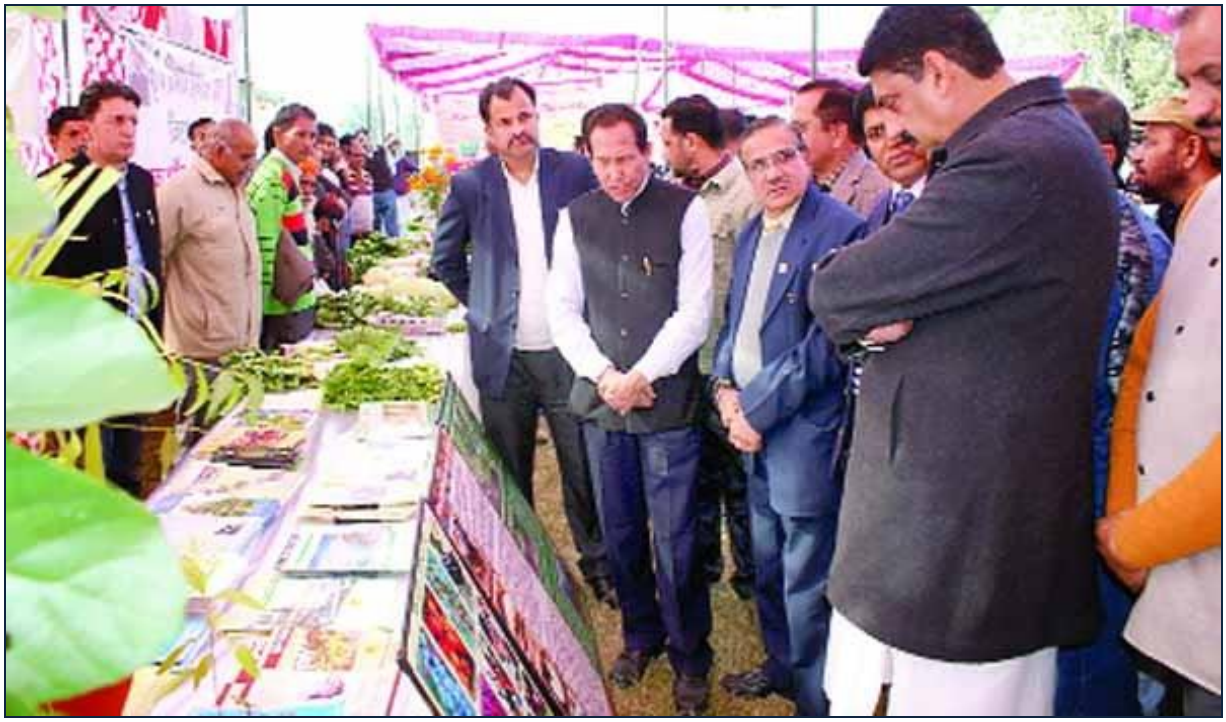

कार्यक्रम : जाच्छ में किसान गोष्ठी का आयोजन, विधायक पहुंचे बतौर मुख्यातिथि

हिमाचल दस्तक। नूरपुर : क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ (नूरपुर) में शुक्रवार को एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय विधायक राकेश पठानिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. यशवंत सिंह परमार नौणी सोलन के कुलपति डॉ. हरी चंद शर्मा ने की। किसान गोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने प्रदर्शनी भी लगाई, जिसका मुख्यातिथि ने अवलोकन किया। इस दौरान मुख्यातिथि राकेश पठानिया ने कहा कि केंद्र और हिमाचल सरकार अपने किसान व बागवान भाइयों के लिए कई नई तकनीकी योजनाएं बना रही है, लेकिन यह योजनाएं धरातल पर जुड़े किसानों तक न पहुंचने के कारण किसान कृषि के क्षेत्र में पिछड़ गया है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पानी की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जिस कारण किसान व बागवान व खेती को लेकर के सोचने को मजबूर हैं।

उन्होंने हिमालय वन अनुसंधान संस्थान शिमला का नूरपुर में पहली बार किसान गोष्ठी का आयोजन करने पर आभार प्रकट किया। वहीं नौणी विश्वविद्यालय के कुलपति को बधाई दी, जिनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया। कुलपति डॉ. हरि चंद शर्मा ने कहा कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला एवं डॉ. वाईएस परमार औद्योनिकी एंव वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के मध्य एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया है, जिसमें वानिक के क्षेत्र में किए गए शोध कार्यों को अधिक से अधिक लोगों तक पंहुचाया जाए, इसी कड़ी में यह कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे कि किसान तकनीक का फायदा उठाकर अपनी आर्थिकी सुदृढ़ कर सकें। डॉ. एमएल भारद्वाज संयुक्त निदेशक क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एंव प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ द्वारा इस समारोह में केंद्र में चल रही गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया।

आधुनिक खेती को बढ़ावा दें किसान

क्षेत्रीय बागबानी अनुसंधान केंद्र में किसान गोष्ठी में बोले विधायक

■ कार्यालय संवाददाता, नूरपुर

क्षेत्रीय बागबानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ नूरपुर में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला व क्षेत्रीय बागबानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ द्वारा शुक्रवार को एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया । इस कार्यक्रम में नूरपुर हलके के विधायक राकेश पठानिया ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। डा. यशवंत सिंह परमार औद्योनिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के कुलपति डा. हरि चंद शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम में ब्लॉक नूरपुर, इंदौरा, फतेहपुर, जवाली व नगरोटा सूरियां के किसानों-बागबानों ने भाग लिया। इस मौके पर नूरपुर हलके के विधायक राकेश पठानिया ने कहा कि सरकार किसानों व बागबानों के आर्थिक विकास के लिए प्रयासरत है और किसान आधुनिक तकनीक से खेती करें। उन्होंने कहा कि सिंचाई कृषि व बागबानी में बहत महत्त्व है। नरपर हलके में चैक डैम बना कर किसानों को सिंचाई सुविधा दी जाएगी और इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस मौके पर कुलपति डा. हरि चंद शर्मा ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान वर्ग वैज्ञानिक तकनीक से उन्नत खेती व बागबानी कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करें। इससे पहले क्षेत्रीय बागबानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के सह निदेशक डा. एमएल भारद्वाज ने मुख्यातिथि व वशिष्ठ अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सत्य प्रकाश नेगी ने भी संबोधित किया। इससे पहले मुख्यातिथि व वशिष्ठ अतिथि ने वहां लगी फलों व सब्जियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया । इस मौके पर मुख्यातिथि व वशिष्ट अतिथि को शाल व टोपी पहना कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे किसानों को भी सम्मानित किया।

किसानों ने लगाई फलों व सब्जियों की प्रदर्शनी

नूरपुर, (आपका फैसला)। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला, हिमाचल प्रदेश एंव क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एंव प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ नूरपुर में एक दिन की किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि विधायक राकेश पठानिया रहे व कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जसवंत सिंह परमार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. हरि चंद शर्मा ने की। गोष्ठी में 200 के लगभग किसानों ने भाग लिया तथा फल व सब्जियों की प्रदर्शनी भी लगाई।

मुख्य अतिथि ने अपने भाषण में कहा कि भारत सरकार और हिमाचल सरकार किसान व बागवान भाईयों के लिए कई नई तकनीकी योजनाएं बना रही हैं, लेकिन योजनाएं धरातल पर जुड़े किसानों तक नहीं पहुंच रही हैं। इस कारण इस क्षेत्र का किसान कृषि के क्षेत्र में पिछड़ गया है। आज के इस कार्यक्रम से नूरपुर क्षेत्र के किसानों को वनों व पौधों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। भविष्य में वे अपनी आजीविका कमाने का स्त्रोत बन सकते हैं। उन्होंने हिमालय वन अनुसंधान संस्थान शिमला को नूरपुर में पहली बार इस जाच्छ केंद्र में किसान गोष्ठी का आयोजन करने पर आभार प्रकट किया।

MLA: Adopting scientific techniques will benefit farmers

OUR CORRESPONDENT

NURPUR, DECEMBER 7

The Regional Horticulture Research and Training Centre (RHRTC), Jachh, Nurpur, in collaboration with the Himalyan Forest Research Institute, Shimla, organised a kisan gosthi (farmers' seminar) on the premises of the centre on Friday. Dr Hari Chand Sharma, Vice-Chancellor of the Dr YS Parmar Horticulture and Forestry University, Nouni, Solan, presided over the seminar whereas local MLA Rakesh Pathania was the chief guest on the occasion.

Addressing fruit growers and farmers, Pathania exhorted them to adopt scientific techniques in their fields and all efforts were being made to provide irrigation facility to them. He said construction of check dams had been planned on small rivulets and streams in the Nurpur area.

Sharma advised the farmers to harvest rain water for irrigation purpose and grow vegetable or cash crops to enhance their income. He said climate in the Nurpur area was best for growing vegetables and flowers and advised the farmers to take up beekeeping. ML Bhardwaj, Associate Director of the RHRTC, briefed the ongoing activities of the RHRTC and also exhorted farmers to grow off-season vegetables and develop kitchen garden in their homes. The university VC and chief guest also inspected the exhibition of fruits and vegetables organised by the progressive farmers. University scientists educated the farmers about the latest farm techniques.

MLA Rakesh Pathania said construction of check dams had been planned on small rivulets and streams in the Nurpur area.

Later, talking to mediapersons, Sharma said the state government had given approval to fill 40 vacant posts of scientists in the university and its regional research stations. He said the university had also sought approval to fill 150 posts of supporting staff.

वैज्ञानिक तकनीक से उन्नत खेती व बागवानी कर आर्थिकी मजबूत करें किसान

क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ में किसान गोष्टी में नौणी वि.वि. के कुलपति ने दिए किसानों को टिप्स

नूरपुर, 7 दिसम्बर (स.ह.): क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला व क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ द्वारा शुक्रवार को एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में नूरपुर हलके के विधायक राकेश पठानिया ने बतौर मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की और डा. यशवंत सिंह परमार उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के कुलपति डा. हरि चंद शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस मौके पर नूरपुर हलके के विधायक राकेश पठानिया ने कहा कि सरकार किसानों-बागवानों के आर्थिक विकास के लिए प्रयासरत है। इस मौके पर कुलपति डा. हरि चंद शर्मा ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान वर्ग वैज्ञानिक तकनीक से उन्नत खेती व बागवानी कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करें। उन्होंने किसानों को बारिश का पानी रोक कर सिंचाई के लिए प्रयोग करने की सलाह दी, साथ ही खेती करने के अलावा मधुमक्खी पालन, सब्जियां पैदा करने की भी सलाह दी। इससे पहले मुख्यातिथि व वशिष्ट अतिथि ने वहां लगी फलों व सब्जियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यातिथि ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे किसानों को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर कई विभागीय अधिकारी, कर्मचारी व गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat, 08 December 2018
https://epaper.punjabkesari.in/c/34744204

किन्नू और संतरे की पैदावार में सादिक को पहला पुरस्कार

क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ में किसान संगोष्ठी

नूरपुर (कांगड़ा)। विधायक राकेश पठानिया ने कहा कि किसान खेती के लिए वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल करें। वह क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जाच्छ में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सहयोग से आयोजित किसान संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे थे। जबकि डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के कुलपति डॉ. हरि चंद शर्मा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

किसान संगोष्ठी में फलों व सब्जियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें अव्वल रहने वाले किसानों और बागवानों को पुरस्कृत किया गया। किन्नू व संतरे की पैदावार के लिए सादिक अहमद (सुखार) को प्रथम, योगराज (पलाखी) को द्वितीय, अभय सिंह (इंदौरा) को तृतीय, नींबू की पैदावार के लिए वीरेंद्र पठानिया (लखनपुर) को प्रथम, सवार अली (आगार) को द्वितीय और रघुवीर सिंह (फतेहपुर) को तृतीय, सब्जियों की पैदावार के लिए नीतू सिंह (क्योड़ घारिया) को प्रथम, कमल सिंह (थोड़ा) को द्वितीय, भगत सिंह (मलकवाल) को तृतीय, आंवले की खेती के लिए सागर सिंह (मेटा) और फूलों की खेती के लिए संजीत सिंह (जसूर) को सांत्वना पुरस्कार, हल्दी की खेती के लिए कर्नल पीसी राणा को प्रथम पुरस्कार और सुगंधित तेल के लिए सुदर्शन शर्मा (खेल) को प्रथम पुरस्कार

देकर सम्मानित किया गया।

कुलपति ने किसानों को बारिश का पानी रोक कर सिंचाई के लिए प्रयोग करने की सलाह दी। साथ ही खेती के अलावा मधुमक्खी पालन और सब्जियां पैदा करने की भी सलाह दी। यहां के किसान और बागवान आम, संतरा और लीची के अलावा सब्जियों की पैदावार करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने सोलर ड्रायर विकसित किया है, जिससे किसान सब्जियां सुखाकर उन्हें बड़ी मार्केट में बेच सकता है। इस मौके पर क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के सह निदेशक डॉ. एमएल भारद्वाज, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के सत्य प्रकाश नेगी भी मौजूद रहे। ब्यूरो